पाठ-योजना (हिन्दी-मेजर) बी.ए (प्रथम वर्ष) सत्र्-2025 -26

सप्ताह	(द्वितीय सेमेस्टर)
1	- कबीर ग्रंथावली से कबीर के पद 'साध को अंग, विचार को अंग, उपदेश को अंग, - गुरुशिष हेरा को अंग और राग-गौड़ी आदि पदों को पढ़ाया जाएगा
2	- कबीर का तात्विक चिंतन, रहस्यवाद, काव्य-कला, विद्रोह-भावना, कबीर की भक्ति-भावना,
3	- कबीर का समाज-दर्शन, कबीर का काव्य-सौन्दर्य आदि विषयों को विद्यार्थियों को समझाया जाएगा।
4	- जायसी द्वारा रचित पद्मावत से 'नागमती-वियोगखण्ड' को पढ़ाया जाएगा। - जायसी के साहित्य में प्रेम भावना, प्रेमाख्यान परम्परा में जायसी का स्थान,
5	- जायसी का श्रृंगार वर्णन, पद्मावत की कहानी और जायसी का रहस्यवाद, - जायसी का लोकतत्व और जायसी काव्य की कथानक रूढ़ियों को विद्यार्थियों को समझाया जाएगा।
6	- तुलसीदास द्वारा विरचित 'रामचरितमानस' के सुंदरकाण्ड को पढ़ाया जाएगा।
7	- तुलसीदास और उनका युग, सामाजिक चेतना, रामकाव्य परम्परा में तुलसीदास का स्थान - तुलसी साहित्य का काव्य-सौष्ठव, लोकनायक तुलसी, तुलसी का दार्शनिक चिंतन,
8	- रामचरितमानस की प्रासंगिकता, तुलसी साहित्य की सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि को विद्यार्थियों को समझाया जाएगा|
9	- सूरदास द्वारा रचित 'सूरसागर' के पहले 25 पदों को पढ़ाया जाएगा।
10	- सूरदास के सूर साहित्य का वात्सल्य, वाग्वदग्ध्य, काव्य-सौंदर्य, ब्रज-संस्कृति,
11	- प्रकृति के विभिन्न रूप और सूरदास की भक्ति-भावना को विद्यार्थियों को पढ़ाया जाएगा।
12	- संपूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति - टेस्ट